उत्तर प्रदेश: कई प्रधानमंत्रियों का जन्मस्थान

चर्चा में क्यों?

आज़ादी के बाद से अब तक **भारत में 15 प्रधानमंत्री** हो चुके हैं। **उत्तर प्रदेश**, जहाँ **भारत की 17% आबादी** (वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार) निवास करती है, **6 प्रधानमंत्रियों का जन्मस्थान** रहा है।

मुख्य बिंदु:

- **9 प्रधानमंत्रियों** ने लोकसभा में **उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया** है, जिनमें से कुछ कई निर्वाचन क्षेत्रों से हैं।
- पद पर रहने वाले सभी **प्रधानमंत्रियों में से 75%** का कार्यकाल ऐसे प्रधानमंत्रियों का था, जो उत्तर प्रदेश से सांसद के रूप में भी कार्यरत थे।
- इसमें **नेहरु** का लगभग 17 वर्ष का कार्यकाल, उनकी **पुत्री इंदिरा गांधी** का 15 वर्ष से अधिक का संचयी कार्यकाल, **अटल बिहारी वाजपेयी** का छह वर्ष का कार्यकाल (वर्ष 1996 में 13 दिन, वर्ष 1998 में 13 महीने और वर्ष 1999 से 5 वर्ष तक) और **वर्तमान प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी** जो मई 2014 से पद पर हैं, का कार्यकाल शामिल हैं
  - जबकि वर्तमान प्रधानमंत्री का जन्म गुजरात में हुआ था और बाद में वे इस राज्य के मुख्यमंत्री बने, उन्होंने **वर्ष 2014 तथा वर्ष 2019** में **वाराणसी लोकसभा क्षेत्र** से चुनाव लड़ना चुना।
- **पी. वी. नरसिम्हा राव (आंध्र प्रदेश)** और **मनमोहन सिंह,** जो राज्यसभा में राजस्थान तथा असम के सांसद थे, **को छोड़कर प्रत्येक कॉन्ग्रेस नेता** ने **प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान लोकसभा में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व** किया है
- 215 मिलियन लोगों (वर्ष 2011 की जनगणना) के साथ उत्तर प्रदेश भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है। लोकसभा में 80 सदस्य भी यहीं से चयनित होते हैं।
- उत्तर प्रदेश से **लोकसभा में 20% सांसद** हैं और राज्य में **निर्णायक जीत** प्रायः यह **निर्धारित करती है कि केंद्र में कौन सत्ता में आएगा।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradesh-the-leading-producer-of-prime-ministers